रात्रिक्लास 5-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

इन आंखों से जो कुछ देखा जाता है सभी भूल जाना है। बापने समझाया है अगर निश्चयबुधि हो, अप मिकीयत आद का ट्रस्टी बन जाये। हम ने शिव बाबा को दिया। आप ने ही दिया था। कहते हैं ना ईश्वर कह कृपा है। अभी बाप सम्मुख कहते हैं उनके हवाले करदो। तुम उनको ट्रस्टी बनाओ वह फिर तुमको ट्रस्टी बनावेंगे। पिछाड़ी में कोई भी चीज़ याद न आये। धन-मित्र-सम्बन्धी बच्चे आद कुछ भी याद न आये। इन आंखों से जो देखते हैं उन से भी वैराग्य। अकेले आये थे अकेले जानाहै। शिव बाबा को दे दिया। शिव बाबा ने कह दिया है ट्रस्टी होकर शरीर निर्वाह अर्थ करते रहो तो वारिसों के लाईन में आसकते हैं। यह है शिव बाबा के डायरेक्शन। पैसे इकट्ठे तो न भक्ति मार्ग मे न ज्ञान मार्ग में कर सकते हैं। ईश्वर देते हैं परन्तु वह लेते नहीं। देते और को हैं और लेते बापसे हैं। यहां देते हैं बाप को। तो बाप कहते हैं ट्रस्टी होकर रहो। कोई भी याद न आये। मू= ममत्व न आये। ट्रस्टी पना चाहिए। यह है पापात्माओं की दुनिया। ट्रस्टी करेंगे तो भी पापात्मा को। यहां का हिसाब किताब है पापात्माओं के साथ। तो पाप बढ़ते जावेंगे ना। अभी है एक पतित पावन बाप से। उन से लेन-देन रखने से भरतु हो जावेंगे। और सभी खाली हो जावेंगे। बाप आते ही हैं भरतु करने। तुम पदमापदम भाग्यशाली बनते हो* अनगिनत। ऐसे थे। फिर भक्ति मार्ग में सभी गवांये दिया। ज्ञानसे झोली भरती है। भक्ति में खाली हो जाती है। फिर बाप आकर झोली भरते हैं। रावण खाली कर देता राम भर देते* यह खेल है। इनको कोई जानते ही नहीं। बाप समझाते हैं हार और जीत का खेल है। सन्यासी तो समझा न सके। बाप कहते हैं तुम कितने तुच्छ बुधि बन गये हो। पार्टधारी होकर क्रियटर डायरेक्टर प्रिन्पल एक्टर्स को कोई भी नहीं जानते। अभी बाप आकर आस्तिक बनाते हैं। रास्ता बहुत सहज है। इसमें भूख मरने की बात ही नहीं। तुमको पता था क्या ऐसे हम मालिक बनेंगे। सभी डिक्लीयर कर देते हैं। तुम भी डिक्लीयर कर देते हो। भल बाबा कहेंगे भल घूमो फिरो एरोपलेन में जाओ। बच्चे जिसमें खुश हो बाप मना नहीं करेंगे। बाप को याद करते एरोपलेन में घमते रहो। भूलना नहीं। याद से ही विकर्म विनाश होंगे। बाप आते ही हैं मुक्त करने। फ्रीडम देने। इसलिए बाप को लिबरेटर गाईड कहा जाता है। सारी दुनिया पर अभी रावण राज्य है। सभी को लिबरेट करते हैं। गाईड बनते हैं। पुरानी दुनिया से लिबरेट करते हैं नईदुनिया में ले जाते हैं। यहतो बाप का ही काम है। बाप आते ही हैं पुरानी दुनियासे लिबरेट करते हैं। मुक्त करते हैं। है बहुत सहज। परन्तु किसकी बुधि में बैठे। एक सेकण्ड की बात है। दो अक्षर से भी समझ जाये।

बाप ईशारे में समझाते हैं। दो अक्षर से भी समझ जाये। बहुत ही सहज बताते हैं। फिर भी क्यों नहीं जल्दी आते। हां माया का तूफान बहुत आता है। माया की लड़ाई है ना। तो हार खा लेते। देही अभिमनी बन नहीं सकते। ड्रामा में दो बात एक ही वार नहीं हो सकती। तुमको देही अभिमानी जरूर बनना है। तब ही विकर्म विनाश हो। इस योग अग्निसेतुम्हारे जन्म जन्मान्तर के पाप जल जावेंगे।

बाप कहते हैं तुम सतोप्रधान थे अभी तमोप्रधान बने हो। फिर याद से ही सतोप्रधान बनना है। राज-भाग लेना है। यहहै ही राजयोग। सन्यासी सिखला नहीं सकते। यहां तो भागने की बात ही नहीं। लाचारी विकार के लिए तंग करते हैं मार देते हैं तब ही भागती है। नहीं तो ला है कब जनावरों को भी नहीं मार सकते। मारे तो पकड़ ले। यहां तो स्त्रीयों को कितनामारते हैं* विकार के लिए। अभी विकारी तो गवर्मेन्ट भी है। इसलिए स्थापना में यहांविघ्नपड़ते हैं। नई बात थोड़े ही है। बाप कहते हैं पवित्र बनो एक जन्म तो विश्व की बादशाही मिलेगी। पक्का निश्चय चाहिए। बाप हमको बेहद विश्व का मालिक बनाते हैं। निश्चय हो तो बेड़ा पार हो। बाप खेवईया भी है ना। बागवान भी है। अभी तुम कांटों से फूल बन रहे हो। मैदान में हो कब माया का कांटा लग जाता है। ह आधा कल्प की आदत जल्दी नहीं छूटती है। निश्चय बुधि भी वही होंगे जो कल्प पहले हुये थे। मीठे2 बच्चों जो मिले बोलो दो बाप है। लौकिक से हद का चमत्कार पारलौकिक से

बेहद का वर्सा। रावण सराप देते हैं राम वर्सा देते हैं। इन बातों को समझो। अभी है पुरुषोत्तम संगम युग। बाप वर्सा दे रहे हैं। फिर रावण का सराप खत्म हो जाता है। 63 जन्मसराप। 2। जन्म वर्सा। उसमें आयु बड़ी होती है। स्वर हेल्दी रहते हैं। बाप को खुशी होती है। बुलाते भी हैं पतित दुनिया में। पावन दुनिया में कोई बुलाते ही नहीं। आर्डर करते हैं हे पतित पावन आकर हमको पावन बनाओ। हुकुम करते हैं। बाप भी कहते हैं जी हुकुम बच्चों। हम आया हूं तो अभी श्रीमत पर चलना है। मैं कल्प2 आकर पावन बनाता हूं। तबही बाप कहते हैं नमस्ते। सर्वेन्ट है ना। यह बाप भी है गुरु टीचर भी है। सर्वेन्ट भी है। बच्चों पर न्योछावर जाते हैं फिर बच्चे जो न्योछावर जावें। बच्चे ही भक्ति मार्ग में कहते हैं आप आओ तो हम न्योछावर जावेंगे। बाबा ने थोड़े ही कहा। कब सुना? रथ कहां जो सुनावे। बाप कोई तकलीफ नहीं देते। सिर्फ यह अन्तिम जन्म पवित्र बनो। आया हूं पावन बनाने। प्रतिज्ञा कर फिर पतित बनेंगे तो सदगुरु का निन्दक ठौर न पाये। गुरु तो ढेर हैं। सदगुरु है एक। कहते भी हैं अकाल मूर्त। आत्मा अकाल मूर्त है ना। उनका तख्त भी है। परमात्मा भी मनुष्य का तख्त लेते हैं। तुम आत्माओं का रथ मिलता है मनुष्य का। मेरे लिए कहते हैं कच्छ अवतार मच्छ अवतार। यह सभी बाप बच्चों को देते हैं। यह दुनिया अभी छी छी है। वेश्यालय है ना। अभी बाप शिवालय स्वर्ग बनाते हैं। बाप कहते हैं स्वर्ग में चलेंगे? वहां यह विकार नहीं मिलेंगी।

यहां जिनको ले आते हैं जरूर सभी ने प्रतिज्ञा की होगी। अभी तुम जो कुछ करते हो उसका फिर यादगार बनाते आते हैं। कोई भी बन्धन नहीं। जास्ती बच्चे नहीं पैदा करनी हैं। तुम पवित्रियां हो। तुम अमरकथा सुन रही हो। अभी जो बच्चे पैदा करेंगे तो बिच्छू डिण्डण होंगे। सतयुग में तुम ऐसे फूल पैदा करेंगे। शास्त्र वेद उपनिषद आद जो भी भक्ति-मार्ग के लिए। बाप को आना ही है संगम पर। ज्ञान देकर सदगति करते हैं। ज्ञान सागर है ही एक। जिसके सामने बैठे हो। वह बाप जिस रथ पर बैठते हैं उनको तुम दादा कहते हो। बच्चे अज्ञान के कारण गाली दे देते हैं। क्योंकि उन्हों का वर्सा है विष। तो समझते हैं क्या यह हमारा वर्सा छीन लेते हैं। याद करते2 बच्चे सुन्दर बन जावेंगे। सो भी आधा कल्प लिए सुन्दर बन जाते हैं। याद से ही सुन्दर बनना है। अच्छा मीठे2 रूहानी सिकीलधे बच्चों प्रित रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुड नाईट। नमस्ते।

रही हुई पायन्दसः- बाप कहते हैं मैं तुमको विश्व का मालिक बनाता हूं फिर तुम भूलते क्यों हो। माया से
****
लड़ाई है तो लड़ना पड़े ना। मुझे क्यों रड़ी मारते हो, बाबा माया बड़ी तंग करती है। मलयुध में कोई से लड़ेंगे तो ऐसे कहेंगे क्या यह अंगुली मारते हैं। मेरी सम्भाल करो। बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। तो तुम्हारे सभी पाप भस्म हो जावेंगे। यह सभी अक्षर 5000 वर्ष पहले भी सुनाई थी। तुम कहते हो बाबा आप वही हो। हम भी कहते हैं बच्चे तुम भी वही हो। जिनको कल्प पहले भी पढ़ाया था। यहां तुम आते हो रिफ्रेश होने। यहां तुम्हारे सामने बगुले आद नहीं हैं। तुम ईश्वरीय परिवार में रहते हो। और कोई भी मित्र-सम्बन्धी आद नहीं हैं। रूहानी बाप और रूहानी बच्चे। यहां तुमको फायदा बहुत होता है। वहां इतना नहीं। वहां तो घाटा पड़ जाता है। हंसो साथ बगुले रहते हैं। तो अच्छा ही असर पड़ता है। यहां बाप के आगे प्रण कर सिगरेट आद छोड़ देते हैं। कहते हैं बाबा फिर ऐसा काम नहीं करूंगा। बाप कहते हैं अगर किया तो सौगा डन्ड पड़ जावेगा। बाप को ग्लानी कराई तो पद भ्रष्ट हो पड़ेंगे। भक्ति मार्ग वालों को यह पता नहीं है ज्ञान क्या चीज़ है। तुम समझाओ तब समझें। भक्ति से दुर्गति ज्ञान से सदगति होता है। ओम।

BRAHMA KUMARIS
OVER SAMADAR PHARMACY
KADAM KUA
PATNA-3

पटना कृष्ण नगर सेन्टर बन्द कर एक बड़ा म्युजियम खोला है जिसकी एड्रेस भेज रहे हैं:-

---